

পাট ও সমবর্গীয় তন্তু ফসল চাষীদের জন্য কৃষি পরামর্শ

প্রকাশনা

ভা.কৃ.অনু.প- ক্রিজাফ, নীলগঞ্জ, ব্যারাকপুর

৮-২২ জুন, ২০২২ (সংস্করণ সংখ্যাঃ ১১/২০২২)



ভা.কৃ.অ.প. -কেন্দ্রীয় পটসন এবং সমবর্গীয় রেশা অনুসন্ধান সংস্থান
ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibers

An ISO 9001: 2015 Certified Institute

Barrackpore, Kolkata-700120, West Bengal

www.icar.crijaf.gov.in



पाट ओ सहयोगी फसल उतुपादनकारी चाषिदेर जन्य कृषि-परामर्श
ॡ-२२ जुन, २०२२

I. पाट उतुपादनकारी राजुतुलर एह समयेर सजुावुतु आवहाओयार परिसुतुति

राजुतु/ कृषि-जलवायु अतुणल/ जेला	आवहाओयार पूरुवातास
गाङ्गेय पश्चिमवङ्ग मुर्शिदाबाद, नदिया, हुगली, हाओडा, उतुतर २४ परगना, पूरुव वरुधमान, पश्चिम वरुधमान, दक्षिण २४ परगना, बाँकुडा, वीरतुम	आगामी ॡ-११ जुन वृषुतुिर सजुावना (मोट वृषुतुिर परिमान १० मिलिमिटाेर परुतुतु)। सरुवोऑ तापमातुा ३४-३१ डिगुि एवंग सरुवनिसु तापमातुा २७-२१ डिगुि सेन्टिग्रेडेेर मतुा थाकवे।
हिमालय सन्निहित पश्चिमवङ्ग दार्जिलिग, कोाचविहार, आलिपुेरदुयार, जलपाइणुडि, उतुतर दिनाजपुेर, दक्षिण दिनाजपुेर, मालदा	आगामी ॡ-११ जुन वृषुतुिर सजुावना (मोट वृषुतुिर परिमान २३० मिलिमिटाेर परुतुतु)। एह अतुणले सरुवोऑ तापमातुा २ॡ-३२ डिगुि एवंग सरुवनिसु तापमातुा २१-२३ डिगुि सेन्टिग्रेडेेर मतुा थाकवे।
आसामः मधुतु वरुन्कपुतु उतुपतुका कुेदु मरिगाँओ, नओगाँओ	आगामी ॡ-११ जुन वृषुतुिर सजुावना (मोट वृषुतुिर परिमान १० मिलिमिटाेर परुतुतु)। सरुवोऑ तापमातुा २ॡ-३२ डिगुि एवंग सरुवनिसु तापमातुा २१-२४ डिगुि सेन्टिग्रेडेेर मतुा थाकवे।
आसामः निनु वरुन्कपुतु उतुपतुका कुेदु गुुयालपाडा, धुवडि, कोकडाबाड, वङ्गइगाँओ, वरुपेटा, नलवाडि, कामरुप, बाङ्गा, चिराङ्ग	आगामी ॡ-११ जुन वृषुतुिर सजुावना (मोट वृषुतुिर परिमान १७० मिलिमिटाेर परुतुतु)। सरुवोऑ तापमातुा २ॡ-३२ डिगुि एवंग सरुवनिसु तापमातुा २२-२४ डिगुि सेन्टिग्रेडेेर मतुा थाकवे।
बिहारः कृषि-जलवायु अतुणल २ (उतुतर-पूरुव अतुणल) पूरुणिगा, काटिहार, सहरुष, सुपुुल, माधेपुुरा, खागारिया, आरारिया, किषाणगङ्ग	आगामी ॡ-११ जुन वृषुतुिर सजुावना (मोट वृषुतुिर परिमान १०० मिलिमिटाेर परुतुतु)। सरुवोऑ तापमातुा ३०-३ॡ डिगुि एवंग सरुवनिसु तापमातुा २३-२ॡ डिगुि सेन्टिग्रेडेेर मतुा थाकवे।
उडिषुयाः उतुतर-पूरुव तटीय समतुुमि वालेशुेर, तदुुक, जाजपुेर	आगामी ॡ-११ जुन वृषुतुिर सजुावना (मोट वृषुतुिर परिमान २ॡ मिलिमिटाेर परुतुतु)। सरुवोऑ तापमातुा ३ॡ-४० डिगुि एवंग सरुवनिसु तापमातुा २ॡ-२१ डिगुि सेन्टिग्रेडेेर मतुा थाकवे।
उडिषुयाः उतुतर-पूरुव ओ दक्षिण-पूरुव समतल अतुणल केदुुपाडा, खुर्दा, जगुतुसिंहपुेर, पूरुी, नयागडु, कटक (आंशिक) एवंग गङ्गाम (आंशिक)	आगामी ॡ-११ जुन वृषुतुिर सजुावना (मोट वृषुतुिर परिमान ३० मिलिमिटाेर परुतुतु)। सरुवोऑ तापमातुा ३ॡ-३१ डिगुि एवंग सरुवनिसु तापमातुा २७-२ॡ डिगुि सेन्टिग्रेडेेर मतुा थाकवे।

तुथु सुतुः तुरतीय आवहाओया बिताग (<http://mausam.imd.gov.in> एवंग www.weather.com)

II. पाट फसलेर जन्य कृषि परामर्श

१। २७ एप्रिल - १० मे तारिखेर मध्ये लागानो पाटेर जन्य (फसलेर वयस ४५-७० दिन)

- कालबैशाखी वा निल्लचापेर प्रभावे हठां बेशि वृष्टि हये पाटेर जमि जलमग्न हये येते पारे, एते पाटेर वृद्धि ते विरूप प्रभाव पड़े। तहि एहि समय, पाटेर जमि ते १० मिटांर दूरे दूरे २० सेमि चउडां ७ २० सेमि गतीर जल निकाशि नाला वानाते हवे, याते बेशि वृष्टि र अतिरिक्त जल जमि थेके बेरिये येते पारे।
- पाट गाछेर ३०-५० दिन वयसे, पातेर डगार बन्क पातागुलि, वृष्टि र परे धूसर पोकार (ग्रे उइडिल) द्वारा आक्रान्त हय। गाछ बड़ हवार साथे साथे, पातार काटा अंशगुलो बड़ हते थाके। एहि पोका धूसर वर्णेर, तार उपर सादा बिन्दु बिन्दु दाग, माथा लम्हाटे - एदेर पातार उपरे देखते पाओया यय। क्लोरपाइरिफस् (५० ईसि) एवं साइपारमेथ्रिन (५ ईसि) एर मिश्रण, १.०-१.५ मिलिलिटांर वा क्लोरपाइरिफस् (२० ईसि) २ मिलिलिटांर वा कुइन्यालफस् (२५ ईसि) १.२५ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले मिशिये स्प्रे करते हवे।
- चाषिदेर विशेषभावे सतर्क हते हवे ये - वृष्टि र परे यदि दिनेर तापमात्रा वाडे ७ वातासे जलीय वाष्पेर परिमान वेडे यय - एहि अवस्थाय शुंयोपोकार प्राथमिक आक्रमण हते पारे। पातार उपर एहि पोकार डिम ७ छोट छोट शुक्कीट एक जायगाय दलबद्ध भावे देखा यय। परे द्रुत छड़िये पड़े ७ पातार क्षति करे। तहि चाषिरा नजर करे देखे, एहि सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलवेन। ताछाडा प्रयोजन्ये ल्यामडा सायालोथ्रिन (५ ईसि) १ मिलिलिटांर वा इन्डक्कार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले मिशिये प्रयोग करते हवे।
- पाटेर वयस यखन ३०-३५ दिन, तखन जमि ते माकड़ेर उपद्रव हते पारे। माकड़ेर आक्रमणेर प्रधान लक्षण हलो- पाता पूरु वा मोटा हये यावे, पातार शिरार माकेर अंश कुंठके यावे, आर डगार कचि पाता क्रमे तामाटे-वादामी रण्येर हये यावे। चेष्टा करते हवे याते जमि ते जलेर (रसेर) अभाव ना हय, सबसमय जो अवस्था राखते पारले माकड़ थेके क्षति कम हय। यदि १० दिनेर बेशि समय धरे माकड़ेर आक्रमण चलते थाके, तवे माकड़नाशक - येमन फेनपाइरिक्लिमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले वा स्पाइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले वा प्रोपारगाईट (५९ ईसि) २.५ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे व्यवहार करते हवे। यदि वृष्टि हये यय, तहले कमपक्षे ५-७ दिन अपेक्षा करुन, तार परे ७ यदि माकड़ेर लक्षण थाके तवे माकड़नाशक दिते पारेन।
- पाट चाषेर समस्त अण्णलेहि, पाटेर षोडापोका (सेमिलुपार) पाट पाता खेये क्षति करे। एरा सरु, सबजे रण्येर देह, हलदे माथाओयाला, गायेर धार बराबर गाछ सबुज रण्येर लम्हा दागयुक्त पोका, या चलार समय मावाखानटा उल्टानो इंगराजी इड आकृति र फांसेर मतो देखाय। पाट गाछेर ५०-८० दिन वयसेहि बेशि आक्रमण करे। गाछेर उपरेर दिक्कार ना खोला पाता थेकेहि क्षति करा शुरु करे। आर उपरेर मोट ९ टि पातार मध्ये एदेर क्षति र लक्षण देखा यय। पातार धारगुलो खेये खीज करे देय; एकदम कचि पाताय आक्रमण करले - पाता आडाआडि भावे काटा देखा यय। यदि क्षति र परिमान शतकरा १५ भाग हय, तवे प्रफेनोफस् (५० ईसि) २ मिलि वा फेनभेलेरोट (२० ईसि) १ मिलि वा साइपारमेथ्रिन (२५ ईसि) ०.५ मिलि प्रति लिटांर जले मिशिये प्रयोग करते हवे। कीटनाशक छोटानोर समय केवलमात्र डगार पातागुलो र दिकेहि बेशि करे ७ शुध प्रयोग करते हवे।



समयमतो लागानो पाट (फसलेर वयस ५०-७० दिन)



वृष्टि र परे धूसर पोकार (ग्रे उइडिल) आक्रमण। क्लोरपाइरिफस् (५० ईसि) एवं साइपारमेथ्रिन (५ ईसि) एर मिश्रण, १.०-१.५ मिलिलिटांर वा क्लोरपाइरिफस् (२० ईसि) २ मिलिलिटांर वा कुइन्यालफस् (२५ ईसि) १.२५ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले मिशिये स्प्रे करते हवे।



वृष्टि परे यदि दिनेर तापमात्रा बाडे ओ वातासे जलीय वाष्पेर परिमान बेडे यय - एई अवस्थाय शृंयोपोकार आक्रमण हय। एरा क्रत छुडिये पडे। चाषिरा नजर करे एदेर डिम आर शुक्कीट सह सब आक्रांस्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। प्रयोजने ल्यामडा सायालोप्रिन् (५ ईसि) १ मिलिलिटांर वा इन्डुक्काव (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटांर/ प्रति लिंटांर जले मिशिये प्रयोग करते हवे।

यदि थोड़ापोकार (सेमिलुपार) द्वारा क्षतिर परिमान शतकरा १५ भाग वा बेशि हय, तवे प्रफेनोफस् (५० ईसि) २ मिलि वा फेन्डेलारेट (२० ईसि) १ मिलि वा साइपारमेथिन (२५ ईसि) ०.५ मिलि प्रति लिंटांर जले मिशिये स्प्रे करते हवे। स्प्रे करार समय केवलमात्र डगार पातांुलोर दिकेई बेशि करे ऒषुध प्रयोग करते हवे।



क) माकड़ आक्रांस्त - लागानोर ३०-३५ दिन पर
ख) जलेर अभाव एडान, माटिते रस बजय राखुन।
फेनपाइरिक्लिमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिटांर वा
स्पारोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटांर वा
प्रोपारगाइट (५९ ईसि) २.५ मिलिलिटांर/ प्रति लिंटांर
जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे व्यवहार करते
हवे।



कांश पचा रोगेर कयकेटि अवस्था- (क) पातार धसा रोग, (ख) कांश पचा, (ग) शिकड़ पचा : पाताय २० दिन पर पर कार्बेन्डाजिम २ ग्राम/ प्रति लिंटांर जले मिशिये प्रयोग करते हवे।



अतिरिक्त वृष्टि र जन्य जमे थांया जल अबिलम्बे बेर करे दिते हवे

शिलावृष्टि र जन्य पाट क्षतिग्रस्त। यदि ५०-६० शतांशेर बेशि क्षति हय, ताहले आबार बीज लागते पांरेन। अन्यथाय, माथ्यमिक परिचर्यार माथ्यमे जमि र अवस्थार परिवर्तन करते हवे।



२। एप्रिले ११-२५ तारिखेर मध्ये लागानो पाटेर जन्य (फसलेर वयस ७०-९५ दिन)

- कालबैशाखी वा निम्नचापेर प्रभावे हठां बेशि वृष्टि हये पाटेर जमि जलमग्न हये येते पारे, एते पाटेर वृद्धि ते विरूप प्रभाव पड़े। ताई एई समय, पाटेर जमि ते १० मिटार दूरे दूरे २० सेमि चोड़ा ओ २० सेमि गतीर जल निकाशि नाला वाना ते हवे, या ते बेशि वृष्टि र अतिरिक्त जल जमि थेके बेरिये येते पारे।
- पाटि गाछेर वेड़े ओठार समय, मेखला आवहाओया ओ वातासेर तापमात्रा कमे गेले, गाछेर वृद्धि ब्याहत हते पारे। यदि देखा यय पाटेर वाड़ कमे गेछे, तवे पाताय २-४ शतांश इडेरिया द्रवन प्रयोग करते हवे (उच्च शक्तिचापेर सिध्दन हले २ शतांश ओ निम्न शक्ति चापेर सिध्दन हले ४ शतांश)।
- चाषिदेर विशेषतावे सतर्क हते हवे ये - वृष्टि र परे यदि दिनेर तापमात्रा वाड़े ओ वातासे जलीय वाष्पेर परिमान वेड़े यय - एई अवस्थाय शुंयोपोकार प्राथमिक आक्रमण हते पारे। पातार उपर एई पोकार डिम ओ छोट छोट शुक्कीट एक जायगाय दलबद्ध भावे देखा यय। परे द्रत छडिये पड़े ओ पातार क्षति करे। ताई चाषिरा नजर करे देखे, एई सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। ताछाड़ा प्रयोजने ल्यामडा सायालोप्लिन (५ ईसि) १ मिलिलिटार वा इन्डक्कार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हवे।
- यदि खरार परिस्थिति चलते থাকे, तखन जमि ते मकड़ेर उपद्रव हते पारे। मकड़ेर आक्रमणेर प्रधान लक्षण हलो- पाता पुरो वा मोटा हये यावे, पातार शिरार मावेर अंश कुंछके यावे, आर डगार कचि पाता क्रमे तामाटे-वादामी रणयेर हये यावे। चेष्टा करते हवे या ते जमि ते जलेर (रसेर) अभाव ना हय, सबसमय जो अवस्था राखते पारले मकड़ थेके क्षति कम हय। यदि १० दिनेर बेशि समय धरे मकड़ेर आक्रमण चलते থাকे, तवे मकड़नाशक - येमन फेनपाईरिक्लिमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले वा स्पाइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले वा प्रोपारगाईट (५९ ईसि) २.५ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे व्यवहार करते हवे। यदि वृष्टि हये यय, ताहले कमपक्षे ५-७ दिन अपेक्षा करेन, तार परेओ यदि मकड़ेर लक्षण थाके तवे मकड़नाशक दिते पारेन।
- पाटि चाषेर समस्त अण्डलेई, पाटेर घोड़ापोका (सेमिलुपार) पाटि पाता थेये क्षति करे। एरा सर, सबजे रणयेर देह, हलदे माथाओयला, गायेर धार बराबर गाठ सबुज रणयेर लम्बा दागयुक्त पोका, या चलार समय मावखानटा उल्टानो इंत्राजी इड आकृतिर फाँसेर मतो देखाय। पाटि गाछेर ५०-८० दिन वयसेई बेशि आक्रमण करे। गाछेर उपरेर दिक्कार ना खोला पाता थेकेई क्षति करा शुरु करे। आर उपरेर मोट ९ टि पातार मध्येई एदेर क्षतिर लक्षण देखा यय। पातार धारगुलो थेये खाँज करे देय; एकदम कचि पाताय आक्रमण करले - पाता आड़ाआड़ि भावे काटा देखा यय। यदि क्षतिर परिमान शतकरा १५ भाग हय, तवे प्रफेनोफस् (५० ईसि) २ मिलि वा फेनडेलेरॉट (२० ईसि) १ मिलि वा साइपारमेथ्रिन (२५ ईसि) ०.५ मिलि प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हवे। कीटनाशक छेटीनोर समय केवलमात्र डगार पातागुलेर दिकेई बेशि करे ओयुध प्रयोग करते हवे।
- गरम ओ जलीय आवहाओयाय पाटि पाताय म्याक्रोफोमिना फ्यासिओलिना -र आक्रमण हते पारे, या पातार वौंटा ओ पत्र किनारार माध्यमे क्रमे पाटि गाछेर कान्ते आक्रमण छडिये कान्द पचा रोग सृष्टि करे। प्रतिरक्कामूलक स्त्रे हिसावे म्यानकोजेव ०.२ शतांश वा कपार अक्लिक्लोराइड ०.३ शतांश स्त्रे करा येते पारे। जमि ते जल जमा अवस्थाय थाकले एई रोगेर आशक्षा वाड़े, ताई जमि ते सठिक जल निकाशि व्यवस्था अत्यावश्यक।



दक्षिण ओ उठोरवङ्गेर विभिन्न स्थाने
७०-९० दिन वयसेर पाटि फसल





गरम ও जलीय আবহাওয়ায় পাট পাতায় ম্যাক্রোফোমিনা ফ্যাসিওলিনা -র আক্রমণ ক্রমে পাট গাছের কাণ্ডে আক্রমণ ছড়িয়ে কাণ্ড পচা রোগ সৃষ্টি করে। প্রতিরক্ষামূলক স্প্রে হিসাবে পাতায় ম্যানকোজেব ০.২ শতাংশ বা কপার অক্সিক্লোরাইড ০.৩ শতাংশ প্রয়োগ করা যেতে পারে। জমিতে জল জমা অবস্থায় থাকলে এই রোগের আশঙ্কা বাড়ে, তাই জমিতে সঠিক জল নিকাশি ব্যবস্থা অত্যাবশ্যিক।



বৃষ্টির পরে যদি দিনের তাপমাত্রা বাড়ে ও বাতাসে জলীয় বাষ্পের পরিমাণ বেড়ে যায় - এই অবস্থায় শূন্যোপেকার আক্রমণ হয়। এরা দ্রুত ছড়িয়ে পড়ে। চাষিরা নজর করে এদের ডিম আর শুককীট সহ সব আক্রান্ত পাতা তুলে নষ্ট করে ফেলবেন। প্রয়োজনে ল্যামডা সায়ালোথ্রিন (৫ ইসি) ১ মিলিলিটার বা ইন্ডাক্সাকার্ব (১৪.৫ ইসি) ১ মিলিলিটার/ প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে।

যদি ঘোড়াপোকার (সেমিলুপার) দ্বারা ক্ষতির পরিমাণ শতকরা ১৫ ভাগ বা বেশি হয়, তবে প্রফেনোফস (৫০ ইসি) ২ মিলি বা ফেন্ডেলোরেট (২০ ইসি) ১ মিলি বা সাইপারমেথ্রিন (২৫ ইসি) ০.৫ মিলি প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে স্প্রে করতে হবে। স্প্রে করার সময় কেবলমাত্র ডগার পাতাগুলোর দিকেই বেশি করে ওষুধ প্রয়োগ করতে হবে।



ক) মাকড় আক্রান্ত - লাগানোর ৩০-৩৫ দিন পর
খ) জলের অভাব এড়ান, মাটিতে রস বজায় রাখুন।
ফেনপাইরক্সিমেন্ট (৫ ইসি) ১.৫ মিলিলিটার বা
স্পাইরোমেসিফেন (২৪০ এস.সি) ০.৭ মিলিলিটার বা
প্রোপারগাইট (৫৭ ইসি) ২.৫ মিলিলিটার/ প্রতিলিটার
জলে, ১০ দিন পরে পরে, পর্যায়ক্রমে ব্যবহার করতে হবে।



অতিরিক্ত বৃষ্টির জন্য জমে যাওয়া জল অবিলম্বে বের করে দিতে হবে



३। समयमते लागानो पाट (२५ मार्च - १० एप्रिल): फसलेर बयस १५-२० दिन

- गरम ओ जलीय आवहाओयाय पाट पाताय म्याक्रोफोमिना फ्यासिओलिना -र आक्रमण हते पारे, या पातार वौंटा ओ पत्र किनारार माध्यमे क्रमे पाट गाछेर कांन्डे आक्रमण छडिजे कांन्ड पचा रोग सृष्टि करे। प्रतिरक्षामूलक स्त्रेण हिसावे म्यानकोजेव ०.२ शतांश वा कपार अक्लिक्लोरहाइड ०.३ शतांश स्त्रेण करा येते पारे। जमिंते जल जमा अवस्थाय থাকले एहि रोगेर आशंका वाडे, तहि जमिंते सठिक जल निकाशि ब्यवस्था अत्यावश्यक।
- चाषिंदेर विशेषभावे सतर्क हते हवे ये - वृष्टिंर पारे यदि दिनेर तापमात्रा वाडे ओ वातासे जलीय वापेपर परिमाण बेडे याय - एहि अवस्थाय षुंयोपोकार प्राथमिक आक्रमण हते पारे। पातार उपर एहि पोकार डिम ओ छोट छोट शुक्कीट एक जायगाय दलबद्ध भावे देखा याय। पारे द्रत छडिजे पडे ओ पातार क्षति करे। तहि चाषिरा नजर करे देखे, एहि सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। ताछाडा प्रयोजने ल्यामडा सायालोप्लिन् (५ ईसि) १ मिलिलिंटर वा इन्डुक्कार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिंटर/ प्रति लिंटर जले मिशिजे प्रयोग करते हवे।
- पाट चाषेर समस्त अध्गलेहि, पाटेर घोडापोका (सेमिलुपार) पाट पाता खेये क्षति करे। एरा सरू, सबजे रंयेर देह, हलदे माथाओयाला, गायेर धार बराबर गाट सबुज रंयेर लम्बा दागयुक्त पोका, या चलार समय मावखानटा उल्टानो इंराजी इड आकृतिर फांसेर मतो देखाय। पाट गाछेर ५०-८० दिन बयसेहि बेशि आक्रमण करे। गाछेर उपरेर दिक्कार ना खोला पाता थेकेहि क्षति करा शुरु करे। आर उपरेर मोट ९ टि पातार मध्येहि एदेर क्षतिर लक्ष्ण देखा याय। पातार धारुलो खेये खांज करे देय; एकदम कचि पाताय आक्रमण करले - पाता आडाआडि भावे काटा देखा याय। यदि क्षतिर परिमाण शतकरा १५ भाग हय, तवे प्रफेनोफस् (५० ईसि) २ मिलि वा फेनतेलारेट (२० ईसि) १ मिलि वा साइपारमेथ्रिन (२५ ईसि) ०.५ मिलि प्रति लिंटर जले मिशिजे प्रयोग करते हवे। कीटनाशक छेटानोर समय केवलमात्र डगार पातागुलेर दिकेहि बेशि करे षुधु प्रयोग करते हवे।
- यदि जमिंर जमा जल बेर करा संभव ना हय, एमन जरूरी अवस्थाय ८०-९० दिन बयसेर पाट केटे निन, फले अस्तुत ५०-६० शतांश फलन पाओया यावे एवं चाषेर खरचेर आंशिक उठे आसवे।



४०-५० दिन बयसेर पाट



छगलि जेलाय बेश किछु अध्गले कांन्ड पचा ओ शिकुड पचा रोगेर प्रादुर्भाव देखा गेछे। भविष्यते एहि रोग सुसंहत पद्धतिते नियन्त्रण करते हवे : (क) अन्न जमिंते हेक्टेर प्रति २-४ टन चुन प्रयोग; (ख) आलुर जमिंते पाट ना लागानो; (ग) कार्बेन्डाजिम २ ग्राम प्रति केजिंते वा ट्राइकोडारमा १० ग्राम प्रति केजि मिशिजे बीज शोधन; (घ) जमिंते जल जमते ना देओया; (ङ) प्राथमिक भावे २ ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति लिंटर जले मिशिजे प्रयोग करा।



निचु जमिंर क्षेत्त्रे यदि जमिंर जमा जल बेर करा संभव ना हय, एमन जरूरी अवस्थाय ९०-१०० दिन बयसेर पाट केटे निन।

III. अन्यान्य सहयोगी तन्त्र फसलें कृषि परामर्श

(क) शणपाट / सानहेम्प



१। मे मासेर ११-२५ तारिखेर मध्ये लागानो शणपाटः फसलें वयस ७०-८० दिन

- माटिंते जलेंर अभाव हलें, हालका सेच देवार परामर्श देओया हच्छे। आर यदि बेशि वृष्टि हय, शीघ्र जमि थेके निकशि नाला दिजे जल बेर करे दिते हबे।
- यदि एर मध्ये वृष्टि ना हये थाके एवं माटिंते जलेंर अभाव हय, तबे हालका सेचेर परामर्श देओया हच्छे। सेचेर पर, २५ दिन गाछेर वयसे, एक बार हात निडानि दिते हबे - एते आगाछा दमन हबे, गाछेर वृद्धि हबे ओ एसमध्ये प्रति बर्ग मिटारे ५५-६० टि चारा राखते हबे।
- यदि शुक्नो परिस्थिति चलते थाके, ताहले माछिर मतो फ्लि विटल पोकार आक्रमण हते पारे। एरा पाता थेये फुटो फुटो करे देय। चाषिदेंर शुंयोपोकार आक्रमणेंर व्यापारे ओ सतर्क करा हच्छे। यदि बेशि आक्रमण हय, ताहले क्लोरपाईरिफस् (२० ईसि) २ मिलिलिटार वा निमतल ७-८ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करार सुपारिश करा हय।



८० दिन वयसेर शणपाट फसल



फ्लि विटल आक्रान्त शणपाट



चक्रविदा (हूल हो) चालिये आगाछा नियन्त्रण ओ माटिंर आसुरण सृष्टि

२। एप्रिले २७ - मे मासे १० तारिखे मध्ये लागानो शणपाटः फसले बयस ४५-५५ दिन

- चाषिदे बर पाता मोडा (लिफ् काल) ओ फाईलोडि आक्रमण बिषये सतर्क थाकते परामर्श देओया हऱे। यदि आक्रमणे ब लम्फण बेशि देथा यय, तबे आक्रान्त गाछ तुले पूडिडे फेलते हबे एबं रोग बाहक पोका मारार जन्य इमिडाक्लोरपिड (११.ॢ एस.एल) ०.५-१.० मिलि/ लिटार जले मिशिडे स्प्रे करते हबे।
- यदि शुक्नो परिस्थिति चलते थाके, तहले माछि बर मतो फ्लि बिटल पोकार आक्रमण हते पारे। एरा पाता खेडे फुटो फुटो करे देय। चाषिदे शूँयोपोकार आक्रमणे ब व्यापारे ओ सतर्क करा हऱे। यदि बेशि आक्रमण हय, तहले क्लोरपाइरिफस् (२० इसि) २ मिलिलिटार बा निमतेल ३-४ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले मिशिडे स्प्रे करार सुपारिश करा हय।
- खुब गरम परिस्थिति चलते थाकले एकबार जलसेच दिते हबे।



४०-५० दिन बयसे बर शणपाट
फसल

फ्लि बिटल आक्रान्त शणपाटे
कीटनाशक प्रयोग

शूँयोपोका द्वारा आक्रान्त
शणपाट

३। एप्रिले बर माबामाबि समडे लागानो शणपाटः फसले बयस ५५-७५ दिन

- चाषिदे शूँयोपोकार आक्रमणे ब व्यापारे ओ सतर्क करा हऱे। यदि बेशि आक्रमण हय, तहले क्लोरपाइरिफस् (२० इसि) २ मिलिलिटार बा निमतेल ३-४ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले मिशिडे स्प्रे करार सुपारिश करा हय।
- यदि खरार परिस्थिति चलते थाके एबं शीघ्र बृष्टि बर सञ्चबना ना देखा यय, तबे एकबार हालका जलसेच दिते हबे।
- आर यदि बेशि बृष्टि हय, शीघ्र जमि थेके निकशि नाला दिडे जल बेर करे दिते हबे।
- भाइरस घटित रोग येमन - पाता मोडा एबं शणपाटे बर मोजेइक रोग हते पारे। आक्रान्त गाछ तुले नष्ट करे फेलते हबे याते एइ रोग आर छडाते ना पारे।



५५-७० दिन बयसे बर शणपाट फसल

भास्कुलार उईल्ट बा चले पडा रोगे आक्रान्त
शणपाट

शूँयोपोका आक्रान्त शणपाट फसले कीटनाशक
प्रयोग

খ। মেস্তা



কেনাফ / জলমেস্তা



রোজেল মেস্তা

১। যারা এখনো মেস্তা লাগাননি

- চাষিদের মেস্তা (রোজেল ও কেনাফ) লাগানোর জন্য জমি প্রস্তুত করতে পরামর্শ দেওয়া হচ্ছে। ভালো ফলন পেতে রোজেলের জাতগুলি হলো - এ.এম.ভি-৫, এম.টি-১৫০, এবংএইচ.এস-৪২৮৮; কেনাফের ভালো জাতগুলি হলো - জে.আর.এম-৩ (স্নেহা), এবং জে.বি.এম-৮১ (শক্তি)। বীজ লাগানোর কমপক্ষে চার ঘন্টা আগে কার্বন্ডাজিম ২ গ্রাম/ প্রতি কেজি বীজে দিয়ে মেস্তার বীজ শোধন করতে হবে।
- ছিটিয়ে বুনলে হেক্টর প্রতি ১৫ কিলো আর সারি করে লাগালে ১২ কিলো বীজ লাগবে। লাইন করে লাগানো হলে, সারি থেকে সারি দূরত্ব হবে ৩০ সেমি, একই সারিতে গাছ থেকে গাছের দূরত্ব ১০ সেমি এবং বীজের গভীরতা ২-৩ সেমি হবে। বীজ বোনার পরে মই দিলে জমির উপর ধুলোর আস্তরণ হবে, এতে মাটির জল সংরক্ষণ হবে এবং বীজের অঙ্কুরোদ্গমে সুবিধা হবে।
- বৃষ্টি নির্ভর মেস্তা চাষে, সারের মাত্রা ৪০ঃ২০ঃ২০ কিলো এন.পি.কে এবং সেচ সেবিত চাষে সারের মাত্রা ৬০ঃ৩০ঃ৩০ কিলো এন.পি.কে প্রতি হেক্টরে দিতে হবে। মোট সুপারিশকৃত নাইট্রোজেন সার ২-৩ বার ভাগ করে দিতে হবে। তবে ফসফেট ও পটাশ জমি তৈরীর সময় ৫ টন খামার সারের সঙ্গেই দিতে হবে। চাষিরা তাদের মাটি পরীক্ষার কার্ডে দেওয়া হিসাবের ভিত্তিতেও সার প্রয়োগ করতে পারবেন।
- বৃষ্টি নির্ভর চাষের ক্ষেত্রে, আগাছা দমনের জন্য, বীজ লাগানোর ২৪-৪৮ ঘন্টা পরে বুটাক্লোর (৫০ ইসি) ৪ মিলি/ প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে। প্রতি হেক্টর জমির জন্য আগাছানাশক প্রয়োগের সময় ৫০০-৬০০ লিটার জল লাগবে।
- বীমা ফসল হিসাবে, মেস্তা ফসলের সঙ্গে চিনাবাদাম, কলাই এবং ভূট্টা লম্বা ফালি হিসাবে (৪ঃ৪) চাষ করার পরামর্শ দেওয়া হয়।



মেস্তা চাষের জন্য জমি তৈরী এবং এন.পি.কে. প্রাথমিক সার প্রয়োগ



বীজ লাগানোর কমপক্ষে চার ঘন্টা আগে কার্বন্ডাজিম ১ গ্রাম/ প্রতি কিলো বীজে দিয়ে বীজ শোধন



নয় সারি টাইন দিয়ে খোলা নালা তৈরী করে বীজ লাগানো ও জল সংরক্ষণ

२। जून मासेस प्रथम सप्ताहे लागानो मेन्ता : फसलेस वयस १५-२० दिन

- छिटीये बोनो मेन्तार स्फेन्ने क्रिज्जाफ आगाछानाशक प्रयोग यन्त्रे (हार्बिसाईड एप्लिकेटर) ग्लुफोसिनेट अ्यामोनियाम (१०.५ शतांश) वा सूईप पाओयार ७ मिलि प्रति लिटार जले मिशिये, बीज बोनार १०-१५ दिन पर व्यवहार करले - एकई सप्ते आगाछा दमन, चारा पातला करा ओ लाइन तैरी हये यावे।
- मेन्ता लागानोर १५-२० दिन पर, सरपता आगाछा नियन्त्रणेर जन्य कुईजालोफप ईथाईल (५ ईसि) १.५-२.० मिलिलिटार प्रति लिटार जले मिशियेप्रयोग करते हवे। तार किछुदिन पर एकवार हात निडानि दिते हवे। अन्य धरनेर आगाछा नेल उईडार वा सिङ्गल हईल उईडार यन्त्रे स्फापर दिये नियन्त्रण करते हवे।
- यदि बेशि वृष्टि हय, मेन्तार सठिक वृद्धि ओ चारार रोग व्यवस्थापनार जन्य सेई जल निकाशि करते हवे।



मेन्ता जमिंते आगाछा दमन

३। मे मासेस माबामाबि समये लागानो मेन्ता (फसलेस वयस ३०-४५ दिन)

- घास जातीय आगाछा नियन्त्रणेर जन्य, मेन्ता लागानोर १५-२० दिन पर कुईजालोफप ईथाईल (५ ईसि) १.५-२.० मिलि प्रति लिटार जले मिशिये स्फेन्ने करते हवे, परे एकवार हात निडानि करा दरकार। अन्यान्य आगाछा दमनेर जन्य स्फापर लागानो क्रिज्जाफ नेल उईडार वा एक चाका पाट निडानि यन्त्र (सिङ्गल हईल जुट उईडार) व्यवहार करा यावे।
- जलीय गरम आवहाओयार कांभ ओ गोड़ा पचा रोगेर प्रादुर्भाव हते पारे, या वृष्टि समय द्रुत छड़िये परे। जल जमा थेके फसल बाँचान एवं निकाशि व्यवस्था करन। कपार अक्लिक्कोराईड (५० शतांश) ४-५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये गाछेर गोड़ार दिके स्फेन्ने करते हवे।
- मेन्तार पातार धार थेके शुरु हये क्रमश भितर दिके पातार फोमा बालसा रोग हते पारे। बेशि प्रादुर्भाव हले, पाता बरे येते पारे। रोगेर आक्रमण प्रतिहत करते- कपार अक्लिक्कोराईड (५० शतांश) ४-५ ग्राम वा म्यानकोजेव २ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये स्फेन्ने करते हवे।



४०-५० दिन वयसेस शणपाट



गोड़ा ओ कांभ पचा रोग



मेन्तार फोमा पाता बालसा रोग

ग) सिसाल

भूमिका: सिसाल (एर्यागेड सिसालाना) प्राय-वहवर्षजीवी पाता থেকে तন্ত উৎপাদনকারী মরুজাতীয় উদ্ভিদ। সিসালের তন্ত থেকে তৈরী দড়ি বিভিন্ন ধরনের জলযান (জাহাজ, লঞ্চ, বড় নৌকা ইত্যাদি) বাঁধার কাজে ব্যবহৃত হয়। ব্রাজিল সিসাল তন্ত উৎপাদনে ও রপ্তানিতে প্রথম স্থান অধিকার করে, আর চিন সব থেকে বেশি সিসাল আমদানি করে। ভারতের উড়িষ্যা, তেলেঙ্গানা, কর্ণাটক, মহারাষ্ট্র ও পশ্চিমবঙ্গের মরুপ্রায় অঞ্চলে সিসাল চাষ হয়ে থাকে। ভারতে সিসালের মোট জমির পরিমাণ প্রায় ৭৭৭০ হেক্টর, যার মধ্যে ৪৮১৬ হেক্টর সিসাল, মাটি ও জল সংরক্ষণের জন্য ব্যবহৃত হয়। ভারতে সিসালের হেক্টর প্রতি গড় উৎপাদন অনেকটাই কম (৬০০-৮০০ কেজি), তবে সঠিক পদ্ধতি অনুসরণ করে চাষ করতে পারলে হেক্টর প্রতি উৎপাদন অনেকটাই বাড়ানো সম্ভব (২০০০-২৫০০ কেজি)। এই ফসলে জলের প্রয়োজন অনেক কম এবং মধ্যভারতের মালভূমি অঞ্চলের মাটি ও আবহাওয়া (সর্বোচ্চ তাপমাত্রা ৪০-৪৫ ডিগ্রি, বৃষ্টিপাত ৬০-১০০ সেমি) সিসালের জন্য উপযোগী, ও গ্রামীণ অঞ্চলের আর্থিক ও সামাজিক উন্নয়ণে বিশেষ সহায়ক হতে পারে। সিসাল চাষ এই অঞ্চলের উপজাতি মানুষদের জীবিকা সরাসরি ও কর্মসংস্থানের মাধ্যমে উন্নয়ণ করতে পারে। এছাড়াও সিসাল বৃষ্টির জলের বয়ে যাওয়া অপচয় ৩৫ শতাংশ ও ভূমিক্ষয় ৬২ শতাংশ কম করতে সক্ষম।

বুলবিল সংগ্রহ: সিসাল গাছের ফুলের দন্ড (যাকে পোল বলা হয়) বের হবার পর সিসালের বৃদ্ধি বন্ধ হয়ে যায়। প্রত্যেকটি পোলে প্রায় ২০০-৫০০ টি ছোট ছোট বুলবিল হয়, এদের প্রত্যেকটিতে ৪-৬ টি ক্ষুদ্র পাতা থাকে। এই বুলবিলগুলি সংগ্রহ করে প্রাথমিক নার্সারিতে লাগানো হয়।

প্রাথমিক নার্সারির প্রস্তুতি: সংগৃহীত বুলবিলগুলি অতি যত্নের সঙ্গে প্রাথমিক নার্সারিতে লাগানো হয়। এই নার্সারির ১ মিটার চওড়া কিছুটা উঁচু করা জমিতে, বুলবিলগুলি ১০-৭ সেমি. দূরে দূরে লাগানো হয়। নার্সারির জমির মাটিতে খামার সারের পাশাপাশি রাসায়নিক সার এনএপিএকে - ৩০ঃ১৫ঃ৩০ কিলো প্রতি হেক্টরে হিসাবে প্রয়োগ করতে হবে। বুলবিলগুলি প্রথম দিকে আগাছার সঙ্গে প্রতিযোগিতায় পেলে ওঠে না, এবং জলের অভাব হতে পারে, তাই আগাছা দমন করতে হবে ও প্রয়োজনে জল সেচের ও অতিরিক্ত জল নিকাশির ব্যবস্থা করতে হবে।

মাধ্যমিক নার্সারির পরিচর্যা

➤ নার্সারির জল নিকাশি ব্যবস্থা করবেন ও নার্সারি আগাছা মুক্ত রাখবেন। সুস্থ সাকার পাবার জন্য মেটালাক্সিল ২৫ শতাংশ এবং ম্যানকোজেব ৭২ শতাংশ মিশ্রণ ০.২৫ শতাংশ হারে স্প্রে করে অন্তরবর্তী পরিচর্যা করতে হবে। উদ্ভিদ খাদ্যোপাদান যোগান ও আগাছা দমনের জন্য সিসাল কম্পোষ্ট ব্যবহার করা যেতে পারে। যে সব চাষীদের মাধ্যমিক নার্সারি তৈরী বাকি আছে, তারা প্রাথমিক নার্সারিতে বড় করা বুলবিল, মাধ্যমিক নার্সারিতে ৫০-২৫ সেমি দূরত্বে লাগাবেন। বুলবিল লাগানোর আগে পুরানো পাতা ও শিকড় কেটে বাদ দিয়ে ২০ মিনিট ম্যানকোজেব (৬৪ শতাংশ) ও মেটালাক্সিল (৮ শতাংশ) মিশ্রণ ২.৫ গ্রাম প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে। এক হেক্টর নার্সারিতে ৮০,০০০ সাকার লাগানো যায় তবে শেষ পর্যন্ত ৭২,০০০-৭৬,০০০ সাকার বাঁচে। ধরে নেওয়া হয় যে মাধ্যমিক নার্সারিতে ৫-১০ শতাংশ চারা মরতে পারে।

সিসালের মূল জমি থেকে সাকার সংগ্রহ

➤ প্রাথমিক ও মাধ্যমিক নার্সারির মাধ্যমে বুলবিল থেকে সাকার তৈরীর পাশাপাশি, আগে থেকে লাগানো সিসালের মূল পুরানো জমি থেকে সাকার সংগ্রহ করা যাবে। সাধারণত একটি সিসাল গাছ থেকে বছরে ২-৩ টি সাকার পাওয়া যায়। বর্ষার শুরুতে এইসব উপযুক্ত সাকার তুলে - সরাসরি নতুন মূল জমিতে লাগানো যাবে। সাকার লাগানোর আগে পুরানো শিকড় ছেঁটে ফেলতে হবে ও শুকিয়ে যাওয়া পাতা ফেলে দিতে হবে। তবে খেয়াল রাখতে হবে যে শিকড় ছেঁটে ফেলার সময়, সাকারের গোড়ার অঞ্চল যেন ক্ষতিগ্রস্ত না হয়।



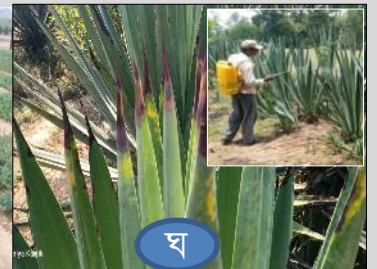
ক



খ



গ



ঘ

(ক) সিসাল পাতা কাটা, (খ) পাতা ছাড়ানো, (গ) বুলবিল সংগ্রহ ও প্রাথমিক নার্সারিতে লাগানো, (ঘ) জেরা রোগ নিয়ন্ত্রণের জন্য কপার অক্সিক্লোরাইড ২-৩ গ্রাম/ প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ

नतून सिसाल खेततेर परिचर्या

- एक-दुई बहर बयसेर सिसाल स्फेते आगाछा नियस्त्रणेर ब्यवस्था करते हवे, याते सिसालेर जल ओ खान्देर जन्य आगाछार सङ्गे प्रतियोगिता कमे यय। जेबरा रोगेर प्राथमिक लक्षण देखा गेले - कपार अक्लिक्रोराइड ३ ग्राम प्रति लिटारे वा मानकोजेब ७४ शतांश ओ मेटालाक्लि ८ शतांश मिश्रण २.५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हवे। सठिक वृद्धि ओ फलनेर जन्य हेक्टेर प्रति २ टन सिसाल कम्पोस्ट एबं ७०९००९७० किलो एन.पि.के. सार प्रयोग करते हवे। प्रथम बहर, सिसाल गाछेर चारधारे गोल करे सामान्य गर्त करे सार प्रयोग करते हवे।

मूल जमिते सिसाल लागानो

- पुरानो मूलजमिर सिसाल थेके सरासरि तोला सिसाल साकार ओ माध्यमिक नार्सारि थेके पाओया सिसाल साकार ब्यवहार करे सिसालेर नतून मूल जमिते चारा लागते पारले भालो हय। माध्यमिक नार्सारिते बड़ करा साकार, पुरानो पाता ओ शिकड़ छेँटे मूल जमिते लागते हवे। लागानेर आगे मानकोजेब ७४ शतांश ओ मेटालाक्लि ८ शतांश - २.५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये २० मिनिटेर जन्य साकारेर शिकड़ अखल धुये निते हवे। साकार पिटेर गर्तेर माखाने सूचालो काठिर साहाय्य निये लागते हवे।
- साकारेर आकार (साइज) ३० सेमि लम्बा, २५० ग्राम ओजन ओ ५७ टि पाता विशिष्ट हते हवे। ये सब साकारे रोग-पोकार वा अन्य कोनो प्रकार चापेर (खान्देर वा जलेर अभाव युक्त) लक्षण आछे, सेणुलि बान्द दिते हवे।
- सिसाल गाछेर द्रुत वृद्धिेर जन्य हेक्टेर प्रति ५ टन सिसाल कम्पोस्ट, ७० केजि नाइट्रोजेन, ३० केजि फसफेट, ७० केजि पाटाश दिते हवे। नाइट्रोजेन सार २ बारे दिते हवे - मोट परिमानेर अर्धेक बर्या शुरुआ आगे, आर बाकि अर्धेक बर्या चले यावार पर।
- ये सब चाधिरा एखनो जमि निर्वाचन करेननि, तादेर जल ना दाँड़ा एमन जमि निर्वाचन करते हवे याते कमपक्षे १५ सेमि गतीर माटि थाकते हवे। टालू जमिते सिसाल चाषेर स्फेरे, पुरो जमि चाष देवार दरकार नेई।
- आगाछा, बोपवाड़ परिकार करे १ घन फुटेर पिट ३.५ मिटार — १ मिटार-१ मिटार दूरे दूरे वानाते हवे, एते ४,५०० टि पिट हवे येखाने बर्यार शुरुते दुई सारि (डबल रो) पद्धतिते सिसाल लागते हवे। तबे प्रतिकूलपरिस्थितिते ३.० मिटार — १ मिटार-१ मिटार दूरे दूरे पिट करे, प्रति हेक्टेरे ५,००० टि साकार लागानो यावे।
- सिसालेर जन्य तैरी करा पिट, माटि ओ सिसाल कम्पोस्ट दिये भर्ति करते हवे, याते माटि बुरबुरे थाके। अन्न माटि जमिते हेक्टेर प्रति २.५ टन हारे चून प्रयोग करते हवे। पिटेर गर्तेर मध्ये एमन भावे माटि पूर्ण करते हवे याते १-२ इंच उँचु हये थाके, एते सिसाल साकार सहजे दाँड़ाते पारवे।
- माटि रक्ष्य रोध करते, सिसाल साकार जमिर स्वाभाविक टालेर आडाआडि ओ समोमति रेखा बराबर लागते हवे। साकार संग्रहेर ४५ दिनेर मध्ये जमिते साकार लागानो सम्पूर्ण करते हवे। लागानेर परे हेक्टेर प्रति कमपक्षे १०० टि अतिरिक्त साकार आलादा करे राखते हवे, याते प्रयोजने कोनो कारणे खालि यये याओया जायगाय आवार सिसाल चारा लागिजे जमिते सिसाल चारार आदर्श संख्या बजाय राखा यय।
- पुरानो मूलजमिर सिसाल थेके सरासरि तोला सिसाल साकारेर परिवर्ते, माध्यमिक नार्सारि थेके पाओया सिसाल साकार ब्यवहार करे सिसालेर नतून मूल जमिते चारा लागते पारले भालो हय।

सिसाल पाता काटा - क्रमशः वातासेर तापमात्रा बेड़े याछे, ताई देरि ना करे अबिलखे सिसाल पाता काटा शेष करते हवे, ता ना हले सिसाल तस्तर उँपान कमे यावे। बिकेलेर दिके सिसाल पाता काटते हवे एबं चेष्टा करते हवे याते एकई दिने पाता थेके आँशु छाड़ानो हये यय। पाता काटार परे, रोगेर हात थेके सिसाल बाँचाते, कपार अक्लिक्रोराइड २-३ ग्राम/प्रति लिटार जले मिशिये स्फे करते हवे।

अतिरिक्त आयेर जन्य सिसालेर सङ्गे अस्तुर्बती फसलेर चाष

- दुई सारि सिसालेर माखानेर जमिते शणपाट सबुज सार हिसावे चाष करा यय, एते जमिर उर्बरता बाड़े ओ सिसालेर फलन भालो हय। अस्तुर्बती फसल हिसावे बरबटि चाष करे अतिरिक्त आय हते पारे। अस्तुर्बती फसल हिसावे आगे लागानो कला गाछेर गजानो चारा तुले फेलते हवे एबं कला गाछे सार प्रयोग करते हवे।



१



२



३

सिसालेर जमिते अस्तुर्बती फसल (१) शणपाट, (२) कला, (३) बरबटि

सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था

खरा प्रबन आदिवासी अधुषित अषधले सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था लाडजनकभावे करा येते पारे। एते चाषिर आय वाडवे, कर्मसंस्थान हवे ओ दीर्घमेयादि कृषि व्यवस्था पाओया यावे। एही व्यवस्थाय स्थानीय भावे पाओया विभिन्न धरनेर उँसके काजे लागिगे ओ फसलेर अवशिष्टांश व्यवहार करे - यथेष्ठ आयेर संस्थान हवे। एही सिसाल भित्तिक खामार व्यवस्थाय फसलेर पाशापाशि विभिन्न प्राणी पालनेर व्यवस्था रेखे एही सुसंहत खामार व्यवस्था अर्थनैतिक भावे सफल ओ सार्थक भावे रूपायित हते पारे।

- १। एही खामारे १०० टि विभिन्न जातेर मुरगि येमन - बनराजा, रेड रुस्टार, कडकनाथ पालन करे ८,०००-१०,००० टाका निट लाड हते पारे।
- २। चाषिरा एही खामार व्यवस्थाय दुँटि गरू पालन करे प्रति बहर २५,००० टाका अतिरिक्त लाड करते पारेन। सिसाले सडे अशुरवती फसल हिसावे गोखाद्य चाष, एही गरूर खाओयार जन्य योगान देओया यावे।
- ३। एही व्यवस्थाय १० टि हागल पालन करे प्रति बहर आरो १२,०००-१५,००० टाका अति रिक्त आय हते पारे।
- ४। सिसाले सडे दुँ सारिर माखाने ये उँचू जमिर धान (कादा ना करे शुधु चाष दिये) फलानो हवे, तार खड व्यवहार करे माशरुम चाषेर माध्यमे बहरे १२,००० टाका लाड हते पारे।
- ५। सिसाल चाषेर बर्ज ओ माशरुम तैरीर बर्ज व्यवहार करे भार्मिकम्पोस्त तैरी करे व्यवहार करा यावे, एते माटिर स्वास्थ भालो थाकवे ओ बहरे १८,००० टाका अतिरिक्त लाड हवे।
- ६। सिसाल साधारनत टालु ओ उँचू जमिने लागानो हय - ताँ एही अवस्थाय वृष्टिर जल धरे लाडजनकभावे व्यवहार करा यावे। येहेतु एही अषधले एमनितेई अपेष्काकृत कम वृष्टि हय, ताँ वृष्टिर जल धरार व्यवस्था करे - ए जल दिये अन्यान्य भावेओ आय वृद्धि हते पारे। एक हेक्टेर सिसाले जमिर मात्र एक दशमांश एही जल धरार जन्य व्यवहृत हवे। एही जल धरार पुकुरेर माप हवे ३० मिटार-३० मिटार-१.८ मिटार, आर १.८ मिटार चओडा पाड हवे। एही पुकुरे जल धरे ये ये भावे व्यवहार करे लाडवान हओया यावे ता हलो -
 - सिसाले सडे चाष करा अशुरवती फसलेर संकटकालीन सेच एही पुकुरेर जल व्यवहार करे देओया यावे। एते एही सब फसलेर उँपदन ओ आय वाडवे।
 - एही जल व्यवहार करे सिसाले आँश छाडानोर परे थोया यावे।
 - पुकुरेर पाडे विभिन्न उँचतार फसल येमन - पेपे, कला, नारकेल, सजने एवं अन्यान्य सज्जि चाष करे प्रति बहर १५,०००-२०,००० टाका आय हते पारे।
 - मिश्र माछ चाष पद्धतिते कातला, रुई, मृगेल चाष करे प्रति बहर १०,०००-१२,००० टाका आय हते पारे।
 - एही जले १०० टि हाँस पालन करे प्रति बहर प्राय ८००० टाका आतिरिक्त आय हते पारे।



उडिष्यार सखलपुर जेलार वामडाय सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था

घ) रेमि



- আবহাওয়ার পূর্বাভাস অনুসারে, আসামের রেমি অঞ্চলে (বিশেষত বরপেটা জেলায়) বজ্রবিদ্যুৎসহ মাঝারি থেকে ভারী বৃষ্টির সম্ভাবনা। রেমি জল জমা একদম সহ্য করতে পারে না, তাই রেমির জমিতে জল নিকাশি ব্যবস্থা করতে হবে।
- সময় মতো রেমি কাটা খুবই গুরুত্বপূর্ণ, তাই প্রতি ৪৫-৬০ দিন অন্তর রেমি কাটতে হবে। এর থেকে বেশি দেরি হয়ে গেলে, রেমির কান্ড সবুজ থেকে গাঢ় বাদামী রংয়ের হয়ে যায়, যা বাঞ্ছনীয় নয় এবং রেমি চাষিরা তা এড়িয়ে চলবেন।
- পুরানো জমির রেমির অসমান ভাবে বেড়ে ওঠা কান্ড সমান ভাবে বেড়ে ওঠায় সাহায্য করতে, কেটে দিতে হবে (স্টেজ ব্যাক) এবং তার পরে হেক্টরে ৩০-১৫-১৫ কিলো হিসাবে এন.পি.কে সার দিতে হবে।
- নতুন রেমির জমিতে, মাঝে মাঝে রেমি গাছ না থাকলে, ফাঁকা জায়গাগুলো নতুন রেমি চারা লাগিয়ে পূরণ করতে হবে।
- রেমির জমিতে ঘাস জাতীয় আগাছা দমনের জন্য কুইজালোফপ ইথাইল (৫ ইসি) ৪০ গ্রাম এ.আই প্রতি হেক্টরে প্রয়োগ করতে হবে।
- বিভিন্ন ধরনের পোকা যেমন - ইন্ডিয়ান রেড এ্যাডমিরাল ক্যাটারপিলার, হেয়ারি ক্যাটারপিলার, লেডি বার্ড বিটল, লিফ বিটল, লিফ রোলার, উঁই পোকা ইত্যাদির আক্রমণ হতে পারে। আক্রমণের মাত্রা বুঝে ক্লোরপাইরিফস ০.০৪ শতাংশ প্রয়োগ করার পরামর্শ দেওয়া হয়।
- এই সময়ে বিভিন্ন ধরনের রোগ যেমন - সারকোস্পোরা লিফ স্পট, স্কেলেরোশিয়াম রট, এ্যানথ্রাকনোজ লিফ স্পট, ড্যাম্পিং অফ এবং ইয়েলো মোজাইক রোগ দেখা দিতে পারে। আক্রমণের মাত্রা বুঝে ছত্রাকনাশক যেমন- ম্যানকোজেব ২.৫ মিলি/ লিটার বা প্রপিকোনাভোল ১ মিলি/ লিটার জলে দিয়ে প্রয়োগ করতে হবে।



রেমি রাইজোম লাগানো

নতুন রেমির খেত

রেমি কাটা হচ্ছে



রেমি কান্ড কাটার পরে পাতা ছাড়ানো

রেমির আঁশ ছাড়ানো

রেমি তন্তু (আঠা সহ) ছাড়ানোর পর রোদে শুকানো



पाट ओ मेस्ता चाषे जमिर स्वाभाविक स्थाने जलाधार भित्तिक परिवेशवाक्खव स्वनिर्भर खामार व्यवस्था

- वृष्टिर अनियमित वितरण, पाट पाचानोर जन्य उपयुक्त सर्वसाधारणेर पुकुरेर अभाव, माथाप्रति कम जलेर योगान, चाषेर खरच ओ कुषि श्रमिकेर मजुरि वृद्धि, पुकुर - नदी - नाला शुकिये याओया इत्यादि विवेचना करे देखा यार, चाषिरा पाट ओ मेस्ता पाचानोते असुविधार समुधीन ह्छेहन। कम जले एवं सर्वसाधारणेर पुकुरेर मयला जले क्रमागत पाट पाचानोर फले, पाटेर आँशेर मान खाराप ह्छे एवं आन्तर्जातिक बाजारे प्रतियोगिताय टिके थाकते पारहे ना।

वर्षा आसार आगेई पाट पाचानोर पुकुर तैरी सम्पूर्ण करते हबे

- पाट काटा ओ पाचानोर मरशुमे जलेर अभाव दूर करार जन्य - वर्षा शुरुर आगेई जून मासे जमिर कोनार दिके स्वाभाविक निचू जायगाय ई पाट पाचानोर पुकुर तैरी करते हबे, येथाने मोट वृष्टिर वये याओया ७०-८० शतांश वृष्टिर जल (या १२००-२००० मिलिमिटर मतो हाय) जमा हबे ओ पाट एवं पाचानोर काजे लागबे। एर फले पाट ओ मेस्ता चाषे चाषिदेर लाभ आरो बाडूबे।

पुकुरेर माप एवं एक एकर जमिर पाट पाचानोर जन्य पचन पद्धति

- पुकुरेदर आकार हबे ८० फुट लम्बा, ७० फुट चओडा ओ ५ फुट गभीर। एक एकर जमिर पाट वा मेस्ता ई पुकुरे दुंबार जाग देओया बाबे। पुकुरेर पाडू यथेष्ट चओडा (१.५-१.८ मिटर) हबे, याते पेँपे, कला ओ सज्जि लागानो यार। ई खामार प्रणालि/ व्यवस्थाय पुकुर ओ तार पाडू निये मोट आयतन १८० वर्ग मिटर हबे। चाषिरा यदि ई खामार प्रणालिते आरो बेशि परिमाने जमि व्यवहारे इच्छुक, ताहले पुकुरेर माप ५० फुट-७० फुट-५ फुट हते पारे।
- पुकुरेर भितरेर दिके १५०-७०० माइक्रनेर कुषिते व्यवहार योग्य पलिथिन दिये टेके दिते हबे याते पुकुरेर जल चुईये वा निचे चले गिये नष्ट ना हय।
- एकसङ्गे तिनटि जाक तैरी करते हबे एवं एक एकाटि जाके तिटि करे सुत्र थाकबे। पुकुरेर तलार माटि थेके जाक २०-७० सेन्टिमिटर उपरे थाकबे एवं जाकेर उपर २०-७० सेन्टिमिटर जल थाकबे।

जमितेई तैरी पचन पुकुरेर सुविधा

- प्रचलित पद्धतिते पाचानोर स्फेद्रे पाट केटे पाचानोर पुकुरे वये निये याओयार खरच एकर प्रति ८०००-५००० टाका ई पद्धतिते साश्रय हबे।
- प्रचलित पद्धतिते १८-२१ दिने पाट पचे; किन्तु ई नतुन पद्धतिते एकरे १८ केजि क्राईजफ सोना व्यवहार करे १२-१५ दिने पाट पचे बाबे। द्वितीय वार पाचानोर समय क्राईजफ सोना अर्थेक लागबे एवं एते ८०० टाका खरच बाँचबे।
- पाट पाचानोर जन्य वृष्टिर नतुन धरा जल व्यवहार करले वा ई समय वृष्टि हले - धीरे वये चला जल पाओया बाबे एवं आँशेर गुनमान कमपक्के १-२ ग्रेड उन्नत हबे।

तैरी करा पुकुरे पाट ओ मेस्ता पाचानो छाडाओ वृष्टिर धरा जल आरो विभिन्न उपाये व्यवहार करा बाबे -

- १। विभिन्न उच्चतार वागिचा फसल व्यवस्थाेर माध्यमे पेँपे, कला, अन्यान्य सज्जि चाष करे प्रति ट्याक्के प्राय १०,०००-१२,००० टाका लाभ हबे।
 - २। वायुते श्वास निते पारे एमन माछ येमन - तिलापिया, मांगुर, शिंशि माछ चाष करे ५०-६० केजि माछ पाओया येते पारे।
 - ३। ई व्यवस्थाय मोमाछि पालन करा बाबे (प्रति ट्याक्के लाभ ९,००० टाका) एवं एते बीज उपपादने परागमिलने सुविधा हबे।
 - ४। माशरुम चाष, भार्मिकम्पोस्ट तैरी करे आय हते पारे।
 - ५। ई पुकुरे प्राय ५० टि हाँस पालन करे ५,००० टाका अतिरिक्त आय हते पारे।
 - ६। पाट पाचानो जल, पाटेर सङ्गे फसलचक्रे लागानो सज्जि ओ अन्यान्य फसलेर सेचेर जन्य व्यवहार करा बाबे एवं प्रति एकरे ८,००० टाका अतिरिक्त लाभ हते पारे।
- सुतरां जमिते ई पद्धतिते पुकुर वानिये, मात्र १,०००-१,२०० टाकार पाटेर क्षति करे, चाषिरा अनेक धरनेर फसल फलिये, प्राणी-मत्स-मोमाछि पालन करे प्राय ७०,००० टाका आय करते पारेन। एछाडाओ ई पद्धतिते चाषेर फले बहनेर खरच प्राय ८,०००-५,००० टाका बाँचबे। सेई सङ्गे ई प्रयुक्ति, चाषबासे चरम आवहाओयार - येमन खरा, बन्या, घुर्षिबाडू इत्यादिर क्षतिकर प्रभाव कम करते सम्भम।

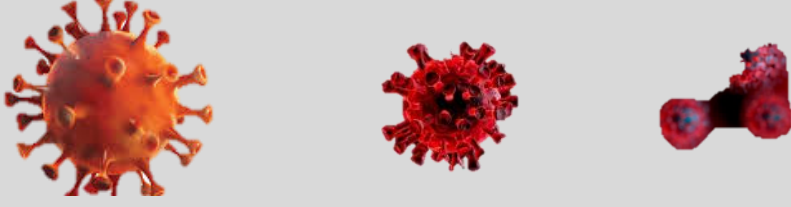


पाट ओ मेसुता चाषे जमिर स्याभाविक स्थाने जलाधार भित्तिक परिवेशवाक्ख्व सनिरुडर खामार व्यवसुथा

- ❖ पाट/ मेसुता पचानो
- ❖ माछ चाष
- ❖ पाडे सज्जि चाष
- ❖ पुकुरेर धारे भार्मिकम्पोसुतु तैरी

- ❖ हूस पालन
- ❖ म्मोमाछि पालन
- ❖ फल वागिचा (पेपे ओ कला)

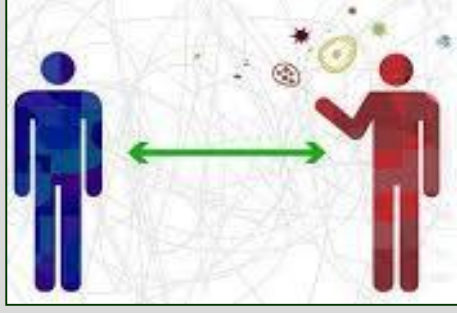
IV. कोरोना (COVID-19) भाईरसैर संक्रुमण छुडुईये पडु ठैकाते ये ये निरापत्रुमूलक ओ प्रतिरुोध ब्यबसुथा ग्रहन करते हबे एवं मेने चलते हबे



- 1। कुषकदेर चाषबासेर काजेर समय निरापत्रुता ब्यबसुथा हिसाबे एक जनेर थेके आरेक जनेर सामाजिक दुरतु वजाय राखते हबे। चाषिआ जमी चाष, बीज वपन, आगाछा निरुत्त्रण, जलसेच देओया इतुयादि काजेर समय डाङ्गारि परामर्श मतेओ मुखुओस (मास्कु) परबेन, आर माबेओ माबेओ सावान-जल दिये हात धुबेन।
- 2। यखन एकई कुषि यत्त्रपाति येमन - लाङ्गल, टुरासुकर, पाओयार टिलार, बीज वपन यत्त्र, निडुानि यत्त्र, जलसेचेर पासुप अनेके मिले पर पर भागाभागि करे ब्यबहार करबेन, तखन थेयाल राखते हबे अई यत्त्रपातिगुलि येन सठिकभाबे परिस्कार करा हय। कुषि यत्त्रपातिर ये ये अंश बार बार हात दिये सुपर्श करते हय, सेई अंशटा सावान जल दिये धुये निते हबे।
- 3। चाषेर काजेर फुाके अवसरेर समय, खाबार खाओयार समय, बीज शेषुननेर समय एवं सार नामानेओ वा तेलार समय - पर्याप्त सामाजिक दुरतु (कम पस्के 3-8 फुट) वजाय राखते हबे।
- 4। यतेओटा संभव, कुषि काजे परिचित लुकेदेरई काजे लागान। बालुओभाबे खुाँज खबर नियेई सेई मजुर काजे लागुते हबे, याते कुनलुओ करुनलुओ भाईरुस बाहक कुषिकाजे आपनार अषुगले चले आसते ना पारे।
- 5। बीज ओ सार परिचित दुुकान थेके किनबेन एवं दुुकान थेके फिरे आसार परेई सावान जल दिये बालुओभाबे हात धुये नेबेन। बाजारुे बीज, सार इतुयादि किनते याबार समय अवशुयई मुखुओस (मास्कु) परबेन।
- 6। कुओडिड-19 भाईरुस रोग संक्रुासुतु जरुपरि ससुथु परिसेवा बिषये तथु जानार जनु आपनार स्मार्ट मुुबाईले 'आरुोगु सेतु' नामेर अडुलिकेशुन सफुटुओयार ब्यबहार करुन।



V. पाट कलेर (जूट मिल) कर्मचारिदर जन्य परामर्श



- पाट कल (जूट मिल) चालू राखार जन्य, पाट कलेर सीमानार मध्ये थाका कर्मचारिदर दिजे छोटे छोटे ब्याचे, वारे वारे शिफ्ट करे काज चलाते हवे।
- पाट कलेर मध्ये आनेक जायगाय कलेर (जल) व्यवस्था करते हवे, याते कर्मचारिरी मावे मावे हात धुजे निते पारने। काज चलाकालीन अवस्थाय, कर्मचारिरी धूमपान करबेन ना।
- मिले शौचागार गुलि वार वार परिसकार करते हवे, याते कर्मचारिरी रोगेर आक्रमणे ना पडेन।
- कर्मचारिदर, ग्लाउस, जूतो, मुख टाकार व्यवस्था एवं अन्यान्य सुरक्षार जन्य परामर्श दिते हवे।
- मिले मध्येई, काजेर जायगा वार वार बदल करा येते पारे, याते कर्मचारिदर मध्ये पारामर्श मतो सामाजिक दूरत वजाय थाके।
- ये सम कर्मचारिदर यन्त्रपातिर (मेशिनेर) अनेर स्थाने वार वार हात दिते हय, तादर जन्य आलादा भावे हात धोयार वा स्यानिटाईज करार व्यवस्था राखते हवे। एछाडो मेशिनेर ओई जायगागुलो वार वार सावान जल दिजे परिसकार करते हवे।
- वयस्क कर्मचारिदर अपेक्षकृत फाँका वा भिड कम जायगाय काज दिते हवे, याते तादर भाईरासेर संक्रमण ना हय।
- मिले कर्मचारिरी टिफिनेर समय वा अवसरेर समय भिड करे एक जायगाय आसबेन ना एवं ७-८ फुट दूरत वजाय रेखेई हात धोबेन।
- यदि कोनो मिल कर्मचारिरी ई धरनेर शारीरिक समस्या देखा यय, तवे तिनि अबिलखे मिलेर डाक्टर वा मिल मालिकेर सडे योगायोग करबेन।



आपनादेर सबाईके सुस्थ्य ओ निरापद थाकार जन्य शुभेच्छा जानाई

धारणा ओ प्रकाशनाः

डः गौराङ्ग कर,
निर्देशक,
भा.कृ.अ.प - क्रिजाफ,
नीलगण्ज, ब्यारकपुर,
कोलकाता-७००१२१, पश्चिमवङ्ग

Acknowledgement: The Institute acknowledges the contribution of the Chairman and Members of the Committee of Agro-advisory Services of ICAR-CRIJAF; Heads/ Incharges of Crop Production Division, Crop Improvement Division and Crop Protection Division, In-charges of AINP-JAF and Agril. Extension section of ICAR-CRIJAF and other contributors of their Division/ Section; In-charges of Regional Research Stations of ICAR-CRIJAF and their team; In-charge of AKMU, ICAR-CRIJAF and his team for preparing this Agro-advisory [Issue No: 11/2022 (8-22 June, 2022)].